सेखावाटी तिमाई पतरिका

आपणी सेखावाटी, आपणी बोली

अपरेल सूं जून-2018

सुबिचार

भाठा नै मिनख ई क्ले पूजै है क्यूंकि बिसवास करबा लायक इंसान कोनी मिलै। – महात्मा बुद्ध

बडाई बो हथियार है, जखाऊं बेरी नै बी भायलो बणायो जा सकै है। -दयानन्द सरस्वती

कहबत

1.अन-जल बडो बलवान।

अर्थ:- दाना-पानी बड़ा बलवान होता है। जहाँ का दाना-पानी लिखा होता है, मनुष्य को वहीं जाना पड़ता है।

2.अधजल गगरी छळकत जाय।

अर्थ:- अधूरा ज्ञान हमेशा परेशान करता है।

पाह्ळी

1. रूघो चालै रग-मग तीन माथा दस पग – दो बेलां कै गेल किसान

2. हरी टोपी लाल दुसाला, पेट म मोत्या की माळा - लाल मिरच

3.हरी घणी, लाम्बी घणी, सुओ जस्यो रंग, ग्यारा देवर छोड नै चाली जेठ कै संग – सांगरी

ओळखाण

आपणै राजस्तान कै मांय बोळी सारी बोलियां बोली जा है। बिमै एक सेखावाटी बोली बी बोली जा है। आ बोली राजस्तान कै चुरू, झूंझनू अर सीकर जिला मांय बोली जा है। ई बोली नै आपणा एरिया मांय "सेखावाटी बोली" को नांव दियो गयो है। जखी आपणा घरका, गांमका अर ठिकाणा कै लोगां कै सागै बोला हां, पण दो-च्यार बरस सूं ई बोली नै भूलता जार्या हां। ईंक्ले आपणी बोली नै बणाया राखबा क्ले कई तरियां की पोथियां बणाई है। जखी म एक "सेखावाटी तिमाई पतरिका" बणाई है। बिमै आपणी बोली म बोली जाबाळी काह्णियां, कहबत, सुबिचार, भजन, धमाल, लोकगीत, पाह्ळी घरेलू नुसखा अर सिरकार की योजना अ सगळी चिज्यां लिखी गई है। आनै लिखबा को म्हारो ओ मकसद है कि आपणी मान-मरयादा अर धारा नै बणाया राखबा क्ले अर आपणी बोली पीडी दर पीडी बणी रह सकै। आपणी बोली को अबतांई कोई कन बी लिखेड़ो रूप कोनी। राजस्तान मांय सैसूं पेली आपणी बोली को लिखेड़ो रूप देबा को काम निरमाण सोसायटी कै दुआरा कर्यो जार्यो है, पण थ्हारै लोगां कै सारा बिना ओ काम अधूरो है।

सेखावाटी काह्णी (मोत की खुसी)

एक बर बादस्या आपकै मंतरी सूं नराज होगो, पण मंतरी नै ई बात की चिंत्या कोनी ही। बो भगवान को भगत हो। बादस्या जद बी मंतरी नै देखतो, बिनै लागतो कै बो भगवान नै मान'र बिको अपमान करै। असल कै मांय बादस्या खुद नै भगवान सै बी बडो मानतो। बादस्या की जलन बडती गई अर एक दिन बो गाडो बिचार कर्यो कै बिकै जनम दिन कै मोका पै बो बिनै फंदा पै लटका देसी। मंतरी कै जलम दिन पै बिकै कुणबा कै मांय बडी जिमणा'र राखी अर भजन-किरतन को कारयकरम राख्यो। बिमै बोळा मिनख आया। जणा बादस्या को दूत एक लिखेड़ो परवानो ले'र आयो। मंतरी परवाना नै पढ्यो अर मोज म नाचबा लाग्यो। जद बादस्या नै ई बात को बेरो पड्यो तो बो मंतरी कै घरां गयो अर बोल्यो, 'तन बेरो है नै कि आज स्याम छ बजे तन फंदा पै लटका दियो जासी।' मंतरी बोल्यो, 'जी म्हाराज, जणा ई तो मै मेरी मोत की खुसी मनार्यो हूं। जलम दिन अर ओर सुब दिन पै तो सगळा मिनख आपणा कै सागै होवै, पण ईंय्या का भागी कम ई होवै, जखा मोत कै दिन आपणा मिनखा कै सागै होवै। मै ई जुग नै सगळा कै बीच कै मांय नाचतो गातो छोड'र जास्यूं। खुसी को ईवूं बडो मोको के हो सकै?' आ सुण'र बादस्या अचम्भा कै मांय पड़गो। बी भखत ई मंतरी की फंदा की सजा माफ करदी अर खुद बी बिकै जलम दिन पै नाचण लाग्यो।

सीख :- मोत नै देख'र घबराणो कोनी चाये।

सेखावाटी लोकगीत (चालो बाबा बजरंग कै)

बाग बगीचा म्हारै राम लिछमण कै - 2

केसर की क्यारी बाबै बजरंग कै चालो रै साथिड़ो बाबै बजरंग कै - 2

महल-माळिया म्हारै राम लिछमण कै - 2

कोई सालासर म बुंगलो बाबै बजरंग कै चालो रै साथिड़ो बाबै बजरंग कै

हात धनुस म्हारै राम लिछमण कै - 2

कोई हातां म घोटो बाबै बजरंग कै चालो रै साथिड़ो बाबै बजरंग कै - 2

भगवा-भगवा कपड़ा म्हारै राम लिछमण कै - 2

कोइ लाल लंगोटो बाबै बजरंग कै चालो रै साथिड़ो बाबै बजरंग कै - 2

लाडू तो पेड़ा म्हारै राम लिछमण कै - 2

मुठड़ीआळो चूरमो बाबै बजरंग कै चालो रै साथिड़ो बाबै बजरंग कै - 2

कोई चोट्याळो नारेळ बाबै बजरंग कै चालो रै साथिड़ो बाबै बजरंग कै

सोना री झारी म्हारै राम लिछमण कै - 2

कोरो सो कळस्यो बाबै बजरंग कै चालो रै साथिड़ो बाबै बजरंग कै - 2

1. सुवेरै खाली पेट पाणी पीबा का फायदाः-

• कई घंटा तांई सोबा कै पाछै आपां जागां हां तो डील नै पाणी की जरूत होवै है। सुवेरै पाणी पीबा सूं रात भर की पाणी की कमी पूरी हो ज्यावै है अर डील चोखो महसूस करै है ईसूं मूंड बी चोखो रहवै है।

• सुवेरै-सुवेरै उठ'र पाणी पीबा सूं डील नै नुकसान करबाळा कीड़ा निकळ ज्यावै है। आपां सोवां हां जणा डील म मरम्मत को काम चालतो रहवै है। जखा सूं नुकसान करबाळा कीड़ा बी निकळी हीं। आ कीड़ा कै निकळबा सूं खाल साफ अर चमकदार होवै है।

• खाली पेट पाणी पीबा सूं आंता की सफाई होवै है। जखा सूं डील की पोसक चीजां नै सोखबा म मदत मिलै है।

• सुवेरै पाणी पीबा सूं डील म बेमारी बी कम फेलै है।

• पाणी पीबा सूं बजन घटाबा म बी मदत मिलै है।

• जे थ्हे खूब पाणी पीवो हो तो दिमाग बी चोखो चालैगो। सुवेरै पाणी पीबा सूं दिन भर दिमाग चोखो रहवैगो।

सेखावाटी भजन (निन्दरा बेचद्यूं)

तपस्या बरस हजार की ओर सतसंग की पल एक।

तो बी बराबर ना तुलै कवि सुखदेव किया विवेक॥

नीन निसाणी मोत की ओर उठ कबीरा जाग।

ओर रसायन छोड़ कै तो एक राम रसायन ध्यान॥

निन्दरा बेचद्यूं कोई ले तो निन्दरा बेचद्यूं कोई ले तो.....

राम-राम रटैलो तो तेरो माया जाळ कटैलो [टेर]

अब भाव राख सतसंग म बेठो चित म राखो चेतो.....

हात जोड़ चरणा म लिपटो जे कोई संत मिलै तो [1] टेर

पाई की मण पांच बेचद्यूं जे कोई गराहक हो तो.....

अरै पांच्या म सै च्यार छोड़ द्यूं दाम रोकड़ा दे तो [2] टेर

कै तो जावो राज दूवारै कै रसिया रस भोगी.....

म्हारो तो लारो छोड़ बावळी म्हे तो हां रमता जोगी [3] टेर

कहवै भरतरी सुण ए निन्दरा अठे ना तेरा बासा.....

म्हे तो रे म्हारै गुरु चरणा म राम मिलण की आसा म [4] टेर

सेखावाटी धमाल (आज्या बाग म)

एहे...स्याम बुलावै राधा बेगी आज्या बाग म रे स्याम बुलावै रे...

आज्या बाग म ए राधा आज्या होळी म ए स्याम बुलावा रे...[टेर]

एहे...सरस्यूं फूल रही खेता म झुक-झुक झोला खावै रे...

अरै सांवरो जोवै बाटड़ली कद राधा आवै रे... [1] टेर

एहे...प फ थ्हारो बांच सांवरिया कांपै हिवड़ो म्हारो रे...

अरै जद जोवूं जद कायल बांचबळेजणगारो रे... [2] टेर

एहे...कोरा-कोरा कळस भर्‌या है ज्यामै केसर घोळी रे...

अरै थ्हारै बिना तो सूनी लागै सखिया री टोळी रे... [3] टेर

एहे...थ्हारै बुलाया आज्यावूं पण सखिया करै ठिठोळी रे...

अरै खाटू कै मेळा म भगता सागै होळी रे... [4] टेर

अपणै किसमत की बजाय
अपणी मेनत पै बिसबास करो।
बी. आर. अम्बेडकर

सिरकारी योजना

खाणो - (इसकूल का टाबर – दोफारी को खाणो परयोजना

दोफारी कै खाणा की योजना को लकस्य है कि हरेक इसकूल कै टाबरा (ककस्या 8 तांई) नै एक बखत को खाणो मिलै। आ योजना बी भरस्टाचार म रळेड़ी है, पण कई राज्य म आ योजना सफल रूप सै काम कररी है।

1. समंदी बिभाग

केन्दर सिरकार:- इसकूल सिकस्या अर साकसरता बिभाग

राजस्तान सिरकार:- मिड-डे मिल अथोरटी

2. हक

(Best Supreme: Supreme court order http://www.sccommissioners.org/FoodSchemes/MDMS.html)

1) सगळी सिरकारी पराथमिक इसकूल म ककस्या 8 तांई कै हरेक टाबर नै इसकूल कै हरेक दिन चोखो खाणो मिलै।

2) दोफारी कै खाणा की योजना कै बारै म रोजी–रोटी हक अभियान कै काम नै देखबा क्ले ऊपर दियेड़ी बेबसाइट पै देखो।

3) 100 मिलियन टाबर ई कै मांय आवै है (संसार को सैसूं बडो चोखो खाणा को कारयकरम)

4) रोजिना 2 मां-बाप का परिवार नै खाणो देखण को हक है।

3. फारम भरबा को तरीको

1) सगळी सिरकारी पराथमिक इसकूल (टाबर 1 बरस सूं 8 बरस तांई) म दोफारी कै खाणा की परयोजना होणी ई चाये।

2) जे कोई इसकूल म आ परयोजना कोनी है तो टाबरां कै मां-बाप नै समंदी इसकूल नै सीदी सिकायत लिखणी चाये।

4. दबाव (जे फारम भरबा कै पाछै सफलता कोनी मिलै)

जे खाणा म कोई कमी-बेसी है तो:-

(क) इसकूल म सीदा सिकायत कर सको हो।

(ख) सीदा दोफारी कै खाणा क्ले पराधिकरण सूं सिकायत करो।

(ग) कोट-कचेड़ी कै जज कै अपसर कै राय देबाळा सूं बात करो (आपां जखा नै जाणा हां)

- डॉ. प्रदीप भार्गव

फोन नमर - 915322569214

ई-मेल - pradeep1412@rediffmail.com.

- डॉ. जिनी श्रीवास्तव

फोन नमर – 09414164512

ई-मेल - astha@gmail.com.

(घ) रोजी-रोटी हक अभियान सूं बात करो अर ऊपर दियेड़ी बेबसाइट पै देखो।

बणाबाळा:-

कमलेश कुमार अर विक्रम सिंह

मदत करबाळा:-

मुकेश कुमार योगी, रतन लाल योगी अर कविता योगी

ठिकाणो

निरमाण सोसायटी

म्होल्लो आथूणो, खतरी कलोनी, वारड नमर 6, नोलगड, झुंझनू, राजस्तान, पिन कोड - 333042

फोन नमर - 01594-223776

Email- rajasthanlanguages@nirmaan.org.in

Web- www.nirmaan.org.in